

पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज  
काद्यों में व्यस्त है, मिसल इल्लबा होकर पत्रावली  
पूर्व आवेशिकानुसार आईन्दा तिनांक... 5/5/26  
जे. पेशा नं.

24/3/26

05/05/26

पत्रावली पेश हुई। बाही कबील व बाही स्वयं अन्तु।  
-द्यालथ समय में फुल-कुक कर तीन बार  
आवाज लगाई गई न तो न बाही स्वयं उपस्थित  
हुआ और न ही बाही कबील उपस्थित हुआ  
इसलिए पत्रावली अहम चेंदरी। अहम खरापे  
में खरापे की जाती है पत्रावली कंसल सुमार  
होकर हाजिल सफर हो।

